मान्या की बच्ची

एक-एक अक्षर पढ़ डाला
तार-तार अखबार
पत्र-पत्रिकाएँ बिखराईं
पेज फटे दो-चार

कॉपी-पेन-किताब-रजिस्टर
पूरा-पूरा दफ्तर
मौका उसे मिले
तो छूटे एक न
कागज़ पत्तर

देखी अपनी बिखरी फाइल
हक्के-बक्के काकू
नाम लिखा दो अब
शाला में
मान्या हुई पढ़ाकू

गिरिजा कुलश्रेष्ठ

आमोद कारखानिस

अण्डे का फण्डा

अण्डा एक दिलचस्प चीज़ है। इससे क्या-क्या नहीं बन जाता ... केक, ऑमलेट, ब्रेड-अण्डा, उबला अण्डा। सिर्फ खाने-खिलाने ही नहीं सोचने-समझने में भी अण्डे अपने कमाल दिखाते हैं। जीव विज्ञान में अण्डे की बात तो छिड़ ही जाएगी पर भौतिक विज्ञान में भी अण्डा अपनी करामात दिखाता है। चलो कुछ रोज़मर्रा की घटनाओं से बात शुरू करते हैं...

मान लो तुम्हारे सामने दो अण्डे रखे हैं। इनमें से एक उबला हुआ है और दूसरा, कच्चा। क्या बिना फोड़े तुम बता सकते हो कि कौन-सा अण्डा उबला हुआ है? ज़रा आज़माकर देखो।

अण्डों को टेबल पर रखकर ज़ोर से घुमाओ। जैसे ही वे घूमने लगें, क्षण भर के लिए अपनी उँगली छोड़ दो। एक अण्डा फिर से घूमने लगेगा पर एक रुक जाएगा। जो अण्डा रुक जाएगा वह उबला अण्डा होगा। क्यों?

ऐसा क्यों होता है?

समझने के लिए एक मग में थोड़ा पानी लो। मग को धीरे-धीरे घुमाना शुरू करो। क्या मग के घूमने के साथ उसके अन्दर का पानी भी घूमने लगा? अब मग को घुमाना बन्द करके उसे टेबिल पर रख दो। क्या मग को टेबिल पर रखते ही उसका पानी घूमना बन्द हो गया? मग के ठहरने के बाद भी पानी कुछ देर तक घूमता रहता है। जब हमने मग को घुमाया उसके साथ पानी को भी गति प्राप्त हुई। मग को तो हमने रोक दिया परन्तु पानी घूमता रहा। *(न्यूटन का कोई नियम याद आया...?)*

अण्डे में भी यही होता है। कच्चे अण्डे के अन्दर तरल रहता है। अण्डे पर उँगली रखकर हमने उसका घूमना रोक दिया पर अन्दर का तरल घूमते ही रहता है। इस वजह से अण्डा फिर घूमना शुरू कर देता है।

रिया जब सातवीं बार रसोई से आई और उसने कहा कि अण्डे अभी तक नहीं उबले तो सभी हैरान थे। आठवीं बार रिया जब उठी तो सभी साथ हो लिए। रसोई में रिया ने चाकू उठाया और अण्डे में घुसाने की कोशिश की। "उफ, अभी तक कड़क का कड़क है।" रिया बुदबुदाई, "अभी तक नहीं उबला।"